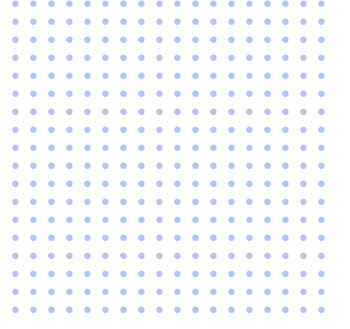




FOR CBSE CLASS 10 PREPARATION

# CBSE Class 10 Sample Paper 2027 for Sanskrit

EXAM

CBSE Class 10

YEAR

2027

TYPE

Sample Paper

SUBJECT

Sanskrit

**संस्कृतम् (कोड-सङ्ख्या - 122)**  
**आदर्श-प्रश्नपत्रम् \***  
**कक्षा - दशमी (2026-27)**

अवधि: - 3 होरा:

पूर्णाङ्काः - 80

**सामान्यनिर्देशाः -**

1. कृपया सम्यक्तया परीक्षणं कुर्वन्तु यत् अस्मिन् प्रश्नपत्रे 9 पृष्ठानि मुद्रितानि सन्ति ।
2. कृपया सम्यक्तया परीक्षणं कुर्वन्तु यत् अस्मिन् प्रश्नपत्रे 18 प्रश्नाः सन्ति ।
3. अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः सन्ति ।
 

|           |   |                      |           |
|-----------|---|----------------------|-----------|
| ‘क’ खण्डः | : | अपठितावबोधनम्        | 10 अङ्काः |
| ‘ख’ खण्डः | : | रचनात्मककार्यम्      | 15 अङ्काः |
| ‘ग’ खण्डः | : | अनुप्रयुक्तव्याकरणम् | 25 अङ्काः |
| ‘घ’ खण्डः | : | पठितावबोधनम्         | 30 अङ्काः |
4. प्रत्येकं खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि ।
5. उत्तरलेखनात् पूर्वं प्रश्नस्य क्रमाङ्कः अवश्यं लेखनीयः
6. प्रश्नस्य क्रमाङ्कः प्रश्नपत्रानुसारम् एव लेखनीयः ।
7. सर्वेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लेखनीयानि ।
8. प्रश्नानां निर्देशाः ध्यानेन अवश्यं पठनीयाः ।

**‘क’ खण्डः**

**अपठितावबोधनम्**

(10 अङ्काः)

- |    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |    |
|----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| 1. | <p><b>अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत -</b></p> <p>एकस्मिन् ग्रामे एकः वृद्धः वसति स्म । तस्य त्रयः पुत्राः आसन् । त्रयोऽपि पुत्राः बुद्धिमन्तः आसन्, तथापि सः वृद्धः निश्चयम् अकरोत् यत् सः स्वक्षेत्रम्, भूमिं धनस्वर्णादिकं च तस्मै एव दास्यति यः सर्वाधिकः बुद्धिमान् सिद्धः भविष्यति । एकस्मिन् दिवसे सः वृद्धः सर्वान् पुत्रान् आहूय उक्तवान् - "हे पुत्राः! युष्मासु यः मम केनचिदपि कक्षं पूर्णरूपेण पूरयेत् अहं तस्मै स्वसम्पत्तिं दास्यामि । यूयं सर्वे एव बुद्धिमन्तः स्थ । गच्छत, क्रमशः प्रयासं च कुरुत ।" सर्वप्रथमं ज्येष्ठः पुत्रः एकां शकटिकां पूरयित्वा कार्पासम् आनयत्, परम् एतेन तु कक्षस्य एकः एव भागः पूरितः जातः । कतिपयदिनपर्यन्तं विचार्य मध्यमः पुत्रः एकस्मिन् दिने शुष्क-तृणानि आनीय कक्षे स्थापितवान् । परम् एतेन अपि कक्षः पूर्णरूपेण न पूरितः रिक्तः एव आसीत् । अन्ते कनिष्ठस्य पुत्रस्य क्रमः आसीत् । सः विचिन्त्य एकं दीपकम्</p> | 10 |
|----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|

\*अवधेयम् - 2026-27 इति शैक्षणिकसत्रे प्रश्नपत्रस्य प्रारूपे मूल्याङ्कनपद्धतौ च किमपि परिवर्तनं नास्ति ।

|  |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |                                                 |
|--|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|
|  | <p>आनीतवान् कक्षे च तं दीपकं प्रज्वालितवान् । तस्य दीपकस्य प्रकाशेन समग्रः कक्षः झटिति एव पूरितः जातः । वृद्धः पिता कनिष्ठपुत्रस्य बुद्धिकौशलं वीक्ष्य प्रसन्नो जातः तस्मै च सर्वा सम्पत्तिम् अयच्छत् ।</p> <p><b>अ. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</b></p> <p>(i) केन समग्रः कक्षः पूरितः जातः?</p> <p>(ii) वृद्धः कस्मै सर्वा सम्पत्तिम् अयच्छत्?</p> <p>(iii) सर्वे पुत्राः कीदृशाः आसन्?</p> <p><b>आ. पूर्णवाक्येन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</b></p> <p>(i) कनिष्ठः पुत्रः कक्षं पूरयितुं किमकरोत्?</p> <p>(ii) वृद्धः पुत्रान् आहूय किम् उक्तवान्?</p> <p>(iii) वृद्धः स्वसम्पत्तिं दातुं किं निश्चयम् अकरोत्?</p> <p><b>इ. अस्य अनुच्छेदस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं संस्कृतेन लिखत ।</b></p> <p><b>ई. यथानिर्देशम् उत्तरत -</b></p> <p>(i) 'विचिन्त्य' इति पदस्य पर्यायपदं अनुच्छेदे किं प्रयुक्तम्?</p> <p>(क) आनीय (ख) पूरयित्वा</p> <p>(ग) आहूय (घ) विचार्य</p> <p>(ii) "अहं तस्मै स्वसम्पत्तिं दास्यामि ।" अत्र 'अहम्' इति सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम्?</p> <p>(क) कनिष्ठपुत्राय (ख) मध्यमपुत्राय</p> <p>(ग) वृद्धाय (घ) ज्येष्ठपुत्राय</p> <p>(iii) 'कुरुत' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?</p> <p>(क) पुत्राः (ख) यूयम्</p> <p>(ग) बुद्धिमन्तः (घ) प्रयासम्</p> | <p>2×1=2</p> <p>2×2=4</p> <p>1</p> <p>3×1=3</p> |
|--|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|

‘ख’ खण्डः

रचनात्मकं कार्यम्

(15 अङ्काः)

|      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |   |
|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
| 2. अ | <p>भवान् तिलकनगरवासी आदित्यराजः । भवतः क्षेत्रे अस्वच्छतायाः मशकानां च महती समस्या अस्ति । अतः मञ्जूषायां दत्तानां पदानां सहायतया समस्यानिवारणार्थं नगरपालिका-अध्यक्षं प्रति प्रार्थनापत्रं लिखतु ।</p> <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p> <div style="border: 1px solid black; padding: 10px; margin: 10px auto; width: 80%;"> <p>मशकाः, रोगाः, रात्रौ, स्वच्छतायाः अभावः, वीथिसु, जलसङ्ग्रहः, जनजागरणम्, स्वच्छतायै, कर्मकराः, अवकरः, स्थाने-स्थाने, वर्धमानाः, उपायाः, निरीक्षणम् ।</p> </div> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>आ भवती देवयानी । भवत्याः सखी प्रज्ञा राज्यस्तरे दशमकक्षायां प्रथमं स्थानं प्राप्तवती अतः तस्यै शुभकामनार्थं मञ्जूषायां दत्तानां पदानां सहायतया तां प्रति पत्रं लिखतु ।</p> | 5 |
|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|

|      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |       |
|------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
|      | <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p> <p style="text-align: center;">परिणामः, परिश्रमस्य, हर्षस्य, वर्धापनानि, छात्राः, ज्ञात्वा, उज्ज्वलभविष्यम्,<br/>समाचारपत्रे, आशीर्वादः, प्रशंसाम्, ख्यातिम्, आदर्शः, प्रेरणा, प्रसन्नः ।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |       |
| 3. अ | <p>प्रदत्तं चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया पञ्च वाक्यानि संस्कृतेन लिखत –</p>  <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p> <p style="text-align: center;">रेलस्थानकम्, यात्रिणः, रेलयानानि, गच्छन्ति आगच्छन्ति, प्रतीक्षाम्, स्वच्छता,<br/>विक्रेतारः, विक्रीणन्ति, सम्मर्दः, वस्तूनि, आसन्देषु, गमनानमनम्, यातायातस्य ।</p> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p>मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां साहाय्येन अधोलिखितं विषयम् अधिकृत्य न्यूनातिन्यूनं पञ्चभिः<br/>संस्कृतवाक्यैः एकम् अनुच्छेदं लिखत -</p> <p style="text-align: center;"><b>“खेलनस्य महत्त्वम्”</b></p> <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p> <p style="text-align: center;">रुचिः, शरीरस्य विकासः, मानसिकस्वास्थ्यम्, सुदृढम्, स्वस्थमस्तिष्कः, व्यायामः,<br/>नीरोगः, रक्तसञ्चालनम्, बाल्यकाले, शरीरम्, रोगाः, मनः प्रसन्नम्, जीवनवृत्तिः ।</p> | 5×1=5 |
| 4.   | <p>अधोलिखितानि वाक्यानि संस्कृतभाषया अनूद्य लिखत –</p> <p>(i) वर्षाकाल में किसान प्रसन्न होते हैं।<br/>Farmers are happy during the rainy season.</p> <p>(ii) पौष्टिकभोजन स्वस्थशरीर की कुंजी है।<br/>Nutritious food is the key to a healthy body.</p> <p>(iii) प्राचीनकाल में भी भारत ज्ञान और धन-धान्य से समृद्ध था।<br/>Even in ancient times, India was prosperous in knowledge and wealth.</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | 5×1=5 |

|                                                                        |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |       |
|------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
|                                                                        | <p>(iv) आप सफलता के लिए कठिन परिश्रम कीजिए।<br/>Work hard for success.</p> <p>(v) कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव की बड़ी सहायिका होगी।<br/>Artificial intelligence will be a great helper to humans.</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |       |
| <p><b>‘ग’ खण्ड:</b></p> <p><b>अनुप्रयुक्तव्याकरणम् (25 अङ्काः)</b></p> |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |       |
| 5. अ                                                                   | <p>अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदेषु सन्धिं सन्धिच्छेदं वा कुरुत-</p> <p>(i) <u>सम्यक्</u> + <u>नेता</u> एव राष्ट्रोन्नत्यै प्रयतते।</p> <p>(ii) तत्रत्यः कर्मचारी समागत्य <u>न्यवेदयत्</u>।</p> <p>(iii) <u>एक एव</u> खगो मानी वने वसति चातकः।</p> <p>(iv) सिंहः वा स्यात् अथवा अन्यः <u>कः</u> + <u>अपि</u>।</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>आ अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदेषु सन्धिं सन्धिच्छेदं वा कुरुत-</p> <p>(i) <u>यत्</u> + <u>मानुषाद्</u> अपि विभेषि।</p> <p>(ii) <u>अश्वश्चेद्</u> धावने वीरः</p> <p>(iii) अस्ति <u>देउलाख्यो</u> ग्रामः।</p> <p>(iv) <u>द्वौ</u> + <u>अपि</u> गृहमागच्छतः।</p>                                                                                                            | 4×1=4 |
| 6.                                                                     | <p>अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां समासं विग्रहं वा प्रदत्तविकल्पेभ्यः चित्वा लिखत -</p> <p>(i) तदेवाहुः <u>महात्मानः</u> समत्वमिति तथ्यतः।</p> <p>(क) महान् आत्मा येषां ते (ख) महान् आत्मा</p> <p>(ग) महान् आत्मानः (घ) महान् आत्मा ते</p> <p>(ii) रिक्तोऽसि यत् <u>जलद्</u> ! सैव तवोत्तमा श्रीः।</p> <p>(क) जलेन दीयते इति (ख) जलाय ददाति इति</p> <p>(ग) जलं ददाति इति (घ) जले दीव्यति इति</p> <p>(iii) प्रस्तरतले <u>लतातरुगुल्मा</u> नो भवन्तु पिष्टाः।</p> <p>(क) लताः च तरुगुल्माः च (ख) लता च तरु च गुल्माः</p> <p>(ग) लता इव तरुगुल्माः (घ) लताः च तरवः च गुल्माः च</p> <p>(iv) वानरः - (<u>सगर्वम्</u>) अतएव कथयामि यत् अहमेव योग्यः।</p> <p>(क) सह गर्वम् (ख) गर्वेण सह</p> <p>(ग) गर्वस्य अभावः (घ) गर्वस्य पश्चात्</p> | 4×1=4 |
| 7.                                                                     | <p>अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा उचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चित्वा लिखत -</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | 4×1=4 |

|     |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |       |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------|
|     | <p>(i) त्यक्त्वा धर्मप्रदां वाचं <u>परुषां</u> योऽभ्युदीरयेत् ।</p> <p>(क) परुष + त्व (ख) परुष + तल्</p> <p>(ग) परुष + टाप् (घ) परुष + डीप्</p> <p>(ii) सर्वेषामेव मत्कृते <u>महत् + त्व</u> विद्यते यथासमयम् ।</p> <p>(क) महत्वम् (ख) महत्त्वम्</p> <p>(ग) महत्ता (घ) महत्वभूतः</p> <p>(iii) गिरां सन्दर्भोऽयं प्रथममवतीर्णो <u>वसुमतीम्</u> ।</p> <p>(क) वसु + मतुप् (ख) वसु + ठक्</p> <p>(ग) वसु + तल् (घ) वसुमत् + टाप्</p> <p>(iv) किं न <u>श्रुता</u> त्वया पञ्चतन्त्रोक्तिः ।</p> <p>(क) श्रु + टाप् (ख) श्रु + ठक्</p> <p>(ग) श्रु + त्व (घ) श्रु + क्त</p> |       |
| 8.  | <p><b>वाच्यानुसारम् उचितपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा अधोलिखित-वाक्यानि पुनः लिखत -</b></p> <p>(i) बालकैः ----- गीयन्ते ।</p> <p>(क) कविता (ख) कविताम्</p> <p>(ग) कविताः (घ) कवितया</p> <p>(ii) मया कदापि असत्यं न ----- ।</p> <p>(क) वदामि (ख) उद्यते</p> <p>(ग) वद्यते (घ) वदति</p> <p>(iii) ----- कार्याणि समयेन सम्पाद्यन्ते ।</p> <p>(क) अस्माभिः (ख) वयम्</p> <p>(ग) यूयम् (घ) ते</p>                                                                                                                                                                          | 3×1=3 |
| 9.  | <p><b>कालबोधकशब्दैः अधोलिखित-दिनचर्या पूरयत-</b></p> <p>अद्यतन-कार्यक्रमेषु सर्वप्रथमं प्रातः (i) ----- (4:30) वादने ध्यानस्य अभ्यासः अस्ति, तदनन्तरं (ii) ----- (05:45) वादने प्रार्थनासभा निश्चिता अस्ति । तत्पश्चात् (iii) ----- (7:15) वादने क्रीडाः, (iv) ----- (9:00) वादने च प्रतियोगिताः आरम्भाः भविष्यन्ति ।</p>                                                                                                                                                                                                                                           | 4×1=4 |
| 10. | <p><b>मञ्जूषायां प्रदत्तैः उचितैः अव्ययपदैः अधोलिखितवाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयत -</b></p> <p>(i) केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् ----- ।</p> <p>(ii) यदि अहं कृष्णवर्णः ----- त्वं किं गौराङ्गः?</p> <p>(iii) गमनकाले मार्गे ----- सिंहः आगतः ।</p> <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p>                                                                                                                                                                                                                                           | 3×1=3 |

|     |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |                                                 |
|-----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|
|     | तर्हि, सहसा, वृथा ।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |                                                 |
| 11. | <p>अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कित-अशुद्धपदाय उचितपदं चित्वा वाक्यानि पुनः लिखत -</p> <p>(i) यूयम् अधुना कुत्र <u>गच्छसि</u>?</p> <p>(क) गच्छन्ति (ख) गच्छथः</p> <p>(ग) गच्छथ (घ) गच्छामः</p> <p>(ii) गतवर्षे अहं परीक्षां न <u>लिखेयम्</u> ।</p> <p>(क) लेखिष्यामि (ख) लिखामि</p> <p>(ग) लिखानि (घ) अलिखम्</p> <p>(iii) <u>लताभिः</u> शुष्कपत्राणि पतन्ति ।</p> <p>(क) लताः (ख) लताभ्यः</p> <p>(ग) लतायै (घ) लतासु</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | 3×1=3                                           |
|     | <p>‘घ’ खण्डः</p> <p>पठितावबोधनम् (30 अङ्काः)</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |                                                 |
| 12. | <p>अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत -</p> <p>तस्यामेव रात्रौ तस्मिन् गृहे कश्चन चौरः गृहाभ्यन्तरं प्रविष्टः । तत्र निहितामेकां मञ्जूषाम् आदाय पलायितः । चौरस्य पादध्वनिना प्रबुद्धः अतिथिः चौरशङ्कया तमन्वधावत् अगृह्णाच्च, परं विचित्रमघटत । चौरः एव उच्चैः क्रोशितुम् आरभत- ‘चौरोऽयम्, चौरोऽयम्’ इति । तस्य तारस्वरेण प्रबुद्धाः ग्रामवासिनः स्वगृहाद् निष्क्रम्य तत्रागच्छन् वराकमतिथिमेव च चौरं मत्वाऽभर्त्सयन् । यद्यपि ग्रामस्य आरक्षी एव चौर आसीत् । तत्क्षणमेव रक्षापुरुषः तम् अतिथिं चौरोऽयम् इति प्रख्याप्य कारागृहे प्राक्षिपत् । अग्रिमे दिने स आरक्षी चौर्याभियोगे तं न्यायालयं नीतवान् ।</p> <p>I. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</p> <p>(i) आरक्षी चौर्याभियोगे कं न्यायालयं नीतवान्?</p> <p>(ii) चौरः काम् आदाय पलायितः?</p> <p>(iii) वस्तुतः चौरः कः आसीत्?</p> <p>II. पूर्णवाक्येन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</p> <p>(i) अतिथिः केन प्रबुद्धः?</p> <p>(ii) किं विचित्रम् अघटत?</p> <p>(iii) ग्रामवासिनः किम् अकुर्वन्?</p> <p>III. (अ) निर्देशानुसारम् उत्तरत -</p> <p>(i) ‘ग्रामवासिनः’ इति पदस्य विशेषणपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत ।</p> <p>(ii) ‘प्रविश्य’ इत्यस्य किं विलोमपदं गद्यांशे प्रयुक्तम्</p> <p>अथवा</p> | <p>5</p> <p>2×½=1</p> <p>2×1=2</p> <p>2×1=2</p> |

|     |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |                                                 |
|-----|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------|
|     | <p>(आ) निर्देशानुसारम् उत्तरत -</p> <p>(i) “तस्य तारस्वरेण प्रबुद्धाः ग्रामवासि...” अत्र ‘तस्य’ इति पदं कस्मै प्रयुक्तम्?</p> <p>(ii) ‘प्राक्षिपत्’ इति क्रियापदस्य कर्तृपदं गद्यांशात् चित्वा लिखत ।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |                                                 |
| 13. | <p>अधोलिखिते पद्ये पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत -</p> <p>क्रोधो हि शत्रुः प्रथमो नराणां, देहस्थितो देहविनाशनाय ।<br/>यथास्थितः काष्ठगतो हि वह्निः, स एव वह्निर्दहते शरीरम् ॥<br/>पिता यच्छति पुत्राय बाल्ये विद्याधनं महत् ।<br/>पिताऽस्य किं तपस्तेपे इत्युक्तिस्तत्कृतज्ञता ॥</p> <p>I. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</p> <p>(i) नराणां प्रथमः शत्रुः कः मन्यते?</p> <p>(ii) बाल्ये विद्याधनं कः ददाति?</p> <p>(iii) क्रोधः कुत्र स्थितः भवति?</p> <p>II. पूर्णवाक्येन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</p> <p>(i) क्रोधः मानवशरीरे किमर्थं तिष्ठति?</p> <p>(ii) का उक्तिः पितरं प्रति कृतज्ञता भवति?</p> <p>(iii) पिता कस्मै विद्याधनं ददाति?</p> <p>III. (अ) निर्देशानुसारम् उत्तरत -</p> <p>(i) “पिताऽस्य किं तपस्तेपे ।” अत्र ‘अस्य’ इति सर्वनामपदं कस्मै प्रयुक्तम्?</p> <p>(ii) ‘अग्निः’ इति पदस्य पर्यायपदं चित्वा लिखत ।</p> <p>अथवा</p> <p>(आ) निर्देशानुसारम् उत्तरत -</p> <p>(i) ‘शत्रुः प्रथमो’ अनयोः पदयोः विशेष्यपदं किम्?</p> <p>(ii) ‘यच्छति’ इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किं प्रयुक्तम्?</p> | <p>5</p> <p>2×½=1</p> <p>2×1=2</p> <p>2×1=2</p> |
| 14. | <p>अधोलिखितं नाट्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत -</p> <p>रामः - एषः भवतोः सौन्दर्यावलोकनितेन कौतुहलेन पृच्छामि, क्षत्रियकुल-पितामहयोः<br/>सूर्यचन्द्रयोः को वा भवतोर्विशस्य कर्ता?</p> <p>लवः - भगवन् सहस्रदीधितिः ।</p> <p>रामः - कथमस्मतसमानाभिजनौ संवृत्तौ?</p> <p>विदूषकः - किं द्वयोरप्येकमेव प्रतिवचनम्?</p> <p>लवः - भ्रातरावावां सोदर्यौ ।</p> <p>रामः - समरूपः शरीरसन्निवेशः । वयसस्तु न किञ्चिदन्तरम् ।</p> <p>लवः - आवां यमलौ</p> <p>रामः - सम्प्रति युज्यते । किं नामधेयम्?</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | 5                                               |

|      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |                                                                                                                    |
|------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|      | <p>लवः - आर्यस्य वन्दनायां लव इत्यात्मानं श्रावयामि (कुशं निर्दिश्य) आर्योऽपि गुरुचरणवन्दनायाम्-<br/> कुशः - अहमपि कुश इत्यात्मानं श्रावयामि ।<br/> रामः - अहो! उदात्तरम्यः समुदाचारः । किं नामधेयो भवतोर्गुरुः?<br/> लवः - ननु भगवान् वाल्मीकिः ।<br/> रामः - केन सम्बन्धेन?<br/> लवः - उपनयनोपदेशेन ।</p> <p><b>I. एकपदेन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</b></p> <p>(i) क्षत्रियकुलपितामहौ कौ स्तः?<br/> (ii) अत्र कौ यमलौ स्तः?<br/> (iii) लवकुशयोः वंशस्य कर्त्ता कः?</p> <p><b>II. पूर्णवाक्येन उत्तरत - (केवलं प्रश्नद्वयम्)</b></p> <p>(i) वाल्मीकिः केन सम्बन्धेन लवकुशयोः गुरुः?<br/> (ii) कौ भ्रातरौ सोदर्यौ स्तः?<br/> (iii) रामः कीदृशेन कौतुहलेन लवकुशौ पृच्छति?</p> <p><b>III. (अ) निर्देशानुसारम् उत्तरत -</b></p> <p>(i) 'शिष्टाचारः' इत्यर्थे किं पदं प्रयुक्तम्?<br/> (ii) 'श्रावयामि' इति क्रियापदस्य किं कर्तृपदं नाट्यांशे प्रयुक्तम्?</p> <p><b>अथवा</b></p> <p><b>(आ) निर्देशानुसारम् उत्तरत -</b></p> <p>(ii) 'सूर्यः' इति पदस्य पर्यायपदं नाट्यांशात् चित्वा लिखत ।<br/> (ii) "आवां यमलौ" अत्र 'आवाम्' इति सर्वनामपदं काभ्यां प्रयुक्तम्?</p> | <p><math>2 \times \frac{1}{2} = 1</math></p> <p><math>2 \times 1 = 2</math></p> <p><math>2 \times 1 = 2</math></p> |
| 15.  | <p><b>रेखाङ्कित-पदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत -</b></p> <p>(i) सर्वे <u>प्रकृतिमातरं</u> प्रणमन्ति ।<br/> (ii) गावः <u>गोभिः</u> सह व्रजन्ति ।<br/> (iii) पतितं वृषभं दृष्ट्वा <u>सुरभिः</u> अश्रूणि मुञ्चति ।<br/> (iv) <u>पतङ्गाः</u> परितः अम्बरपथम् आपेदिरे ।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | $4 \times 1 = 4$                                                                                                   |
| 16.अ | <p><b>मञ्जूषातः समुचितपदानि चित्वा अधोलिखित-श्लोकस्य अन्वयं पूरयित्वा पुनः लिखत -</b></p> <p>निजबुद्ध्या विमुक्ता सा भयाद् व्याघ्रस्य भामिनी ।<br/> अन्योऽपि बुद्धिमौल्लोके मुच्यते महतो भयात् ॥</p> <p>अन्वयः - सा (i) ----- निजबुद्ध्या व्याघ्रस्य (ii) ----- विमुक्ता । लोके अन्यः<br/> (iii) ----- अपि महतः भयात् (iv) ----- ।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | $4 \times 1 = 4$                                                                                                   |

|                   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |                     |
|-------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|
|                   | <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">मुच्यते, भयात्, भामिनी, बुद्धिमान् ।</div> <p style="text-align: center;"><b>अथवा</b></p> <p><b>आ मञ्जूषायाः साहाय्येन श्लोकस्य भावार्थे रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत -</b></p> <p style="text-align: center;">कज्जलमलिनं धूमं मुञ्चति शतशकतीयानम् ।<br/>वाष्पयानमाला सन्धावति वितरन्ती ध्वानम् ॥<br/>यानानां पङ्क्तयो ह्यनन्ताः कठिनं संसरणम् ॥</p> <p><b>भावार्थः -</b> अस्मिन् श्लोके कविः महानगरस्य जीवनस्य व्यस्ततायाः प्रदूषणस्य च विषये कथयति यत् महानगरेषु शतशः (i) ----- कृष्णवर्णं धूमं विसृजन्ति, रेलयानानि (ii) ----- कुर्वन्ति धावन्ति च । अत्र यानानां पङ्क्तयः (iii) ----- सन्ति येन चलनं महत् (iv) ----- वर्तते ।</p> <p style="text-align: center;"><b>मञ्जूषा</b></p> <div style="border: 1px solid black; padding: 5px; text-align: center;">ध्वनिम्, कठिनम्, यानानि, अनन्ताः ।</div> |                     |
| <p><b>17.</b></p> | <p><b>अधोलिखित-कथांशं समुचित-क्रमेण लिखत -</b></p> <p>(i) रुदती सुरभिं दृष्ट्वा सुराधिपः तामपृच्छत् ।<br/>(ii) सा अकथयत् - अहं पुत्रस्य दैन्यं दृष्ट्वा रोदिमि ।<br/>(iii) स्वपुत्रं पतितं दृष्ट्वा सर्वधेनूनां माता सुरभिः अरोदत् ।<br/>(iv) अयि शुभे! किमेवं रोदिषि?<br/>(v) दुर्बलः बलीवर्दः गन्तुमशक्तः भूमौ अपतत् ।<br/>(vi) सः कृषकः कर्षणविमुखः सन् बलीवर्दीं नीत्वा गृहम् अगच्छत् ।<br/>(vii) अचिरादेव तत्र चण्डवातेन मेघरवैश्च प्रवर्षः समजायत ।<br/>(viii) कृषकः तं दुर्बलं वृषभं तोदनेन नुद्यमानः अवर्तत ।</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | <p><b>8×½=4</b></p> |
| <p><b>18.</b></p> | <p><b>अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कितपदानां प्रसङ्गानुकूलम् उचितार्थं चित्वा लिखत-</b></p> <p>(i) वने <u>करी</u> च सिंहस्य बलं जानाति ।<br/>(क) करः (ख) गजः (ग) व्याघ्रः (घ) काकः</p> <p>(ii) <u>भृङ्गाः</u> रसालमुकुलानि समाश्रयन्ते ।<br/>(क) भानुः (ख) पुष्पाणि (ग) आम्राणि (घ) भ्रमराः</p> <p>(iii) सः केनापि प्रकारेण <u>परैः</u> न परिभूयते ।<br/>(क) पक्षैः (ख) पक्षिभिः (ग) परकीयैः (घ) नृपैः</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | <p><b>3×1=3</b></p> |

-----0000-----